AHEMDABAD MIRROR, Ahmedabad, 24.12.2024
Page No. 5, Size:(15.78)cms X (7.16)cms.

Sound check: Over 2 lakh noise barriers installed along the bullet train route

Barriers on both sides of viaduct designed to reduce sound from train and train operations

Ahmedabad Mirror Bureau
feedback@ahmedabadmirror.com
Posts @ahmedabadmirror

The Mumbai-Ahmedabad Bullet Train Project has reached a significant step with the installation of 2.06 lakh noise barriers along the 103-km viaduct. These barriers, placed on both sides of the viaduct, are designed to reduce sound from the train and track operations. Each barrier stands two metres high and one metre wide, weighing around 830 kg to 840 kg. In urban and residential areas, taller three-metre barriers with a one-metre translucent polycarbonate panel have been added for better visibility. Six factories have been established, three in Ahmedabad and one each in Surat, Vadodara and Anand.

Work on in full swing

In addition to the noise barriers, major construction work is in progress. Over 243 km of the viaduct has been completed, along with 352 km of pier work and 362 km of pier foundations. Bridges have been built across 13 rivers, and five steel bridges along with two prestressed concrete (PSC) bridges have crossed multiple railway lines and highways. In Gujarat, the construction of the reinforced concrete (RC) track bed has reached 71 km, and rail welding has begun.

The project's 12 stations, designed with energy-efficient features, aim to provide a world-class experience while focusing on sustainability. It will also boost jobs, local industries and infrastructure in Gujarat and Maharashtra.

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 25.12.2024
Page No. 20, Size:(10.58)cms X (10.77)cms.

Over 200k noise barriers on Mum-Ahd bullet train route

FPJ NEWS SERVICE
SURAT

The National High-Speed Rail Corporation Ltd (NHSRCL) has installed over 200,000 noise barriers along a 100+ km stretch of the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train route. These barriers are designed to minimize operational noise while preserving scenic views, ensuring passengers enjoy a comfortable and pleasant journey, NHSRCL stated on Monday.

The noise barriers are being produced at six pre-cast manufacturing facilities—three in Ahmedabad and one each in Surat, Vadodara, and Anand. These barriers aim to reduce the noise generated by the train's high-speed operation and the civil structure supporting the tracks.

Constructed from durable concrete panels, each barrier measures 2 meters in height from rail level, 1 meter in width, and weighs approximately 830-840 kg. These panels are engineered to reflect and distribute the aerodynamic noise created by the train as well as the sounds produced by the wheels interacting with the tracks.

In urban and residential areas, where noise control is critical, taller barriers reaching 3 meters will be installed. These extended barriers include a 2-meter concrete panel topped with a 1-meter translucent polycarbonate panel. This design ensures noise reduction without obstructing the scenic views for passengers, enhancing the travel experience.

By combining functionality with aesthetics, NHSRCL's noise barrier initiative demonstrates its commitment to balancing environmental impact, passenger comfort, and operational efficiency.

As construction progresses on India's first high-speed rail corridor, the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project continues to set benchmarks in infrastructure development.

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 24.12.2024
Page No. 4, Size:(23.24)cms X (6.63)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर दो से तीन मीटर ऊंचे नॉइज बैरियर्स लगाए जाएंगे

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : 100 किलोमीटर लंबे वायडक्ट पर 2 लाख नॉइज बैरियर्स इंस्टॉल

एक किमी पर दोनों तरफ लगभग 2000 नॉइज बैरियर्स

सूरत@पत्रिका. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना पर 103 किलोमीटर लंबे वायडक्ट के दोनों ओर 2,06,000 नॉइज बैरियर्स इनस्टॉल किए गए हैं। प्रत्येक एक किलोमीटर की दूरी पर 2,000 नॉइज बैरियर्स लगाए गए हैं।

नेशनल हाई स्पीड रेल कोर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विवेक कुमार गुप्ता ने बताया कि बुलेट ट्रेन परिचालन के दौरान उत्पन्न ध्वनि कम करने के लिए नॉइज बैरियर्स डिजाइन किए गए हैं। प्रत्येक नॉइज बैरियर की ऊंचाई 2 मीटर और चौड़ाई एक मीटर है तथा इसका वजन लगभग 830-840 किलोग्राम है। आवासीय और शहरी क्षेत्रों में 3 मीटर ऊंचे नॉइज बैरियर्स लगाए गए हैं। इनमें 2 मीटर कंक्रीट बैरियर के ऊपर एक अतिरिक्त एक मीटर पारदर्शी पॉली कार्बोनेट पैनल शामिल है। इन बैरियरों के निर्माण के लिए छह विशेष कारखाने स्थापित किए गए हैं। इनमें से तीन कारखाने अहमदाबाद में जबकि एक-एक सूरत, वडोदरा और आणंद में हैं।

243 किमी वायडक्ट और 352 किमी पीयर कार्य पूर्ण : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य तेज गति से हो रहा हैं। अब तक 243 किमी से अधिक वायडक्ट का निर्माण पूरा हो चुका हैं। साथ ही 352 किमी पीयर कार्य और 362 किमी पीयर नींव का कार्य भी पूरा हो चुका हैं। 13 नदियों पर पुल बनाए गए हैं। इनमें पांच स्टील ब्रिज और दो प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) ब्रिज हैं, जो विभिन्न रेलवे लाइनों और राजमार्गों के आवागमन को सुविधाजनक बनाते हैं।

71 किमी आरसी ट्रैक बेड का निर्माण

गुजरात में ट्रैक निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। आणंद, वडोदरा, सूरत और नवसारी जिलों में आरसी (प्रबलित कंक्रीट) ट्रैक बेड का निर्माण कार्य चल रहा हैं। अब तक 71 किलोमीटर आरसी ट्रैक बेड का निर्माण पूरा हो चुका है और वायडक्ट पर रेल की वेल्डिंग शुरू हो गई हैं।

394 मीटर लंबी सुरंग का काम भी पूरा

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग पर काम चल रहा हैं। मुख्य सुरंग निर्माण की सुविधा के लिए 394 मीटर लंबी इंटरमीडिएट सुरंग का काम पूरा हो चुका हैं। वहीं, पालघर में न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड का उपयोग कर सात पर्वतीय सुरंगों का निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। गुजरात में एकमात्र पर्वतीय सुरंग पहले ही पूरी हो चुकी हैं।

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 24.12.2024
Page No. 3, Size:(17.59)cms X (6.55)cms.

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर : 2 मीटर ऊंचाई-एक मीटर चौड़ाई वाले बैरियर का वजन 835 किलो

100 किमी वायाडक्ट पर 2 लाख नॉइज बैरियर्स लगाए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट 103 किलोमीटर लंबे वायडक्ट के दोनों ओर 206,000 नॉइज़ बैरियर्स लगाए गए। प्रत्येक एक किलोमीटर की दूरी पर वायडक्ट के दोनों तरफ 2 हजार नॉइज़ बैरियर्स लगाए गए हैं।

ट्रेन और सिविल संरचनाओं से होने वाली आवाज को कम करने के लिए यह बैरियर्स लगाया गया है। ये बैरियर्स ट्रेन से उत्पन्न वायुगतिकीय शोर के साथ-साथ पटरियों पर चलने वाले पहियों से निकली आवाज को परावर्तित और फैलाते हैं। 2 मीटर ऊंचाई और एक मीटर चौड़ाई वाले इस बैरियर का वजन लगभग 835 किलोग्राम है। आवासीय और शहरी क्षेत्रों में 3 मीटर ऊंचे नॉइज़ बैरियर्स लगाए गए हैं। इनमें 2 मीटर कंक्रीट बैरियर के ऊपर एक अतिरिक्त एक मीटर पारदर्शी पॉली कार्बोनेट पैनल शामिल हैं। इससे यात्री बाहर का नजारा बिना रूकावट के देख सकेंगे। **अहमदाबाद में तीन कारखाने:** इन बैरियरों के निर्माण के लिए छह विशेष कारखाने स्थापित किए गए हैं। इनमें से तीन कारखाने अहमदाबाद में स्थित हैं, जबकि एक-एक सूरत, वडोदरा और आणंद में है।

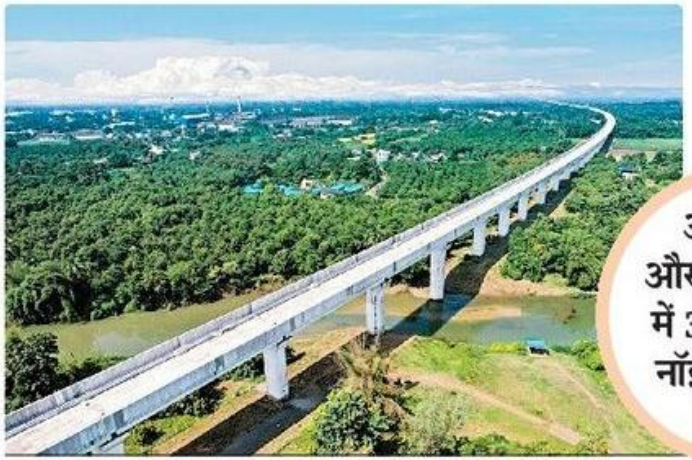

आवासीय और शहरी क्षेत्रों में 3 मीटर ऊंचे नॉइज़ बैरियर्स लगाए

वायाडक्ट का निर्माण पूरा

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 234 किलोमीटर वायाडक्ट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। 352 किमी का पीयर कार्य और 362 किमी का पीयर नींव का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। 13 नदियों पर पुल बनाए गए हैं, जिनमें पांच स्टील ब्रिज और दो प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) ब्रिज हैं, जो विभिन्न रेलवे लाइनों और राजमार्गों के आवागमन को सुविधाजनक बनाते हैं।

71 किमी आरसी ट्रैक बेड का निर्माण पूर्ण

गुजरात में ट्रैक निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। आणंद, वडोदरा, सूरत और नवसारी जिलों में आरसी (प्रबलित कंक्रीट) ट्रैक बेड का निर्माण कार्य चल रहा है। 71 किलोमीटर आरसी ट्रैक बेड का निर्माण पूरा हो चुका है और वायाडक्ट पर रेल की वेल्डिंग शुरू हो गई है।

DAINIK BHASKAR, Surat, 24.12.2024
Page No. 2, Size:(14.72)cms X (8.59)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में 100 किमी लंबे वायडक्ट के दोनों तरफ लगाए 2 लाख नॉइज बैरियर, हर 1 किमी में 2 मीटर ऊंचे 2,000 नॉइज बैरियर्स लगे

सूरत | मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में 103 किमी लंबे वायडक्ट के दोनों ओर 206,000 नॉइज बैरियर्स लगा दिए गए हैं। हर 1 किमी में वायडक्ट के दोनों तरफ 2,000 नॉइज बैरियर्स लगाए गए हैं। नॉइज बैरियर्स को ट्रेन और अन्य स्ट्रक्चर से उत्पन्न होने वाली ध्वनि को कम करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये बैरियर्स ट्रेन द्वारा उत्पन्न वायुगतिकीय शोर के साथ-साथ पटरियों पर चलने वाले पहियों से उत्पन्न ध्वनि को परावर्तित और वितरित करते हैं। एक बैरियर की ऊंचाई 2 मीटर और चौड़ाई 1 मीटर है। वजन 830-840 किलो है। आवासीय और शहरी क्षेत्रों में 3 मीटर ऊंचे नॉइज बैरियर्स लगाए गए हैं। इनमें 2-मीटर कंक्रीट बैरियर के ऊपर एक अतिरिक्त 1-मीटर पारदर्शी पॉली कार्बोनेट पैनल शामिल है, ताकि यात्रियों को अबाधित दृश्यों का आनंद मिल सके।

NAVBHARAT, Mumbai, 24.12.2024
Page No. 8, Size:(11.59)cms X (6.16)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

योजना शोर को कम करने के वायाडक्ट के दोनों और लगेंगे कंक्रीट पैनल

बुलेट ट्रेन के मार्ग पर 2 लाख नॉइज बैरियर

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के 100 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 2,00,000 से अधिक नॉइज बैरियर्स लगाए गए हैं. राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सोमवार को यह जानकारी दी. इन बैरियर्स को परिचालन के दौरान उत्पन्न होने वाले शोर को कम करने और ट्रेन से दिखने वाले खूबसूरत दृश्यों का अनुभव बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यात्रियों को एक सहज और सुंदर यात्रा का आनंद मिल सके. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन वायाडक्ट पर लगाए जा रहे नॉइज बैरियर्स उन्नत शिंकानसेन तकनीक पर आधारित हैं. कंक्रीट पैनलों से बने इन बैरियर्स की ऊंचाई 2 मीटर और चौड़ाई 1 मीटर है. इन्हें वायाडक्ट के दोनों किनारों पर लगाया गया है. इनका डिज़ाइन हाई-स्पीड रेल संचालन की विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करने के लिए विशेष रूप से किया गया है. इन नॉइज़ बैरियर्स का मुख्य उद्देश्य ट्रेन की तेज गति से उत्पन्न होने वाले शोर को कम करना है. बुलेट ट्रेन की गति के दौरान, ट्रेन और हवा के संपर्क से एरोडायनामिक शोर उत्पन्न होता है.

इसके अलावा, ट्रेन के पहियों और ट्रैक के संपर्क से भी ध्वनि उत्पन्न होती है. कंक्रीट पैनल इस ध्वनि को प्रतिबिंबित और वितरित करने के लिए रणनीतिक रूप से लगाए गए हैं, जिससे शोर का स्तर काफी हद तक कम हो जाता है.

डबल-स्किन एल्युमीनियम अलॉय से बनी है ट्रेन की बॉडी : ये नॉइज़ बैरियर्स न केवल परिचालन से होने वाले ध्वनि प्रदूषण को कम करने का प्रयास करते हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करते हैं कि मार्ग के दृश्य अवरोधित न हों. इससे ट्रेन के रास्ते के आसपास रहने वाले लोगों को होने वाली परेशानी कम होती है. आवासीय और शहरी क्षेत्रों में वायाडक्ट पर लगाए जाने वाले नॉइज़ बैरियर्स की ऊंचाई 3 मीटर ऊंचे होंगे, जिनमें 2 मीटर कंक्रीट पैनल और 1 मीटर पारदर्शी पॉलीकार्बोनेट सामग्री से बना होगा. ट्रेन को भी इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि इसमें अंदर का शोर न्यूनतम हो. ट्रेन की बॉडी डबल-स्किन एल्युमीनियम अलॉय से बनी है, जो अंदर के शोर के स्तर को कम करने में मदद करती है. इसके अलावा, ट्रेन की लंबी और तेज नाक का डिज़ाइन एरोडायनामिक ड्रैग को कम करता है, जिससे सुरंग से बाहर निकलते समय दबाव तरंगों के कारण होने वाली तेज ध्वनि भी घट जाती है. 508 किमी लंबे मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (MAHSR) मार्ग में से 465 किमी से अधिक हिस्सा वायाडक्ट पर ऊंचाई पर चलेगा.

जापानी ट्रेन के डिजाइन में कई बदलाव

भारत और जापान बुलेट ट्रेन के डिजाइन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं. इसमें सामान रखने की क्षमता बढ़ाने, उच्च तापमान सहनशीलता और धूल प्रबंधन जैसी सुविधाओं को जोड़ा जा रहा है. आधे से अधिक सिविल कार्य पूरे हो चुके हैं और ट्रैक बिछाने का काम शुरू हो गया है. भारत अपने भविष्य के कॉरिडोरों के लिए खुद की हाई-स्पीड ट्रेनें भी विकसित कर रहा है. बुलेट ट्रेन के डिजाइन को अंतिम रूप देने के बाद ही निविदाओं के आवंटन का रास्ता साफ होगा. जापान की शिंकानसेन (बुलेट) ट्रेनों को भारतीय परिस्थितियों में संचालन योग्य बनाने के लिए कई बदलाव किए जा रहे हैं. इनमें 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान में संचालन की क्षमता और भारत में धूल से निपटने के उपाय शामिल हैं.

PUDHARI, Thane, 24.12.2024
Page No. 3, Size:(16.76)cms X (7.54)cms.

Two lakh noise barriers in Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरमध्ये दोन लाख नॉईज बॅरियर्स

१०० किमी अंतरापर्यंत व्हायाडक्टच्या दुतर्फा बसवली यंत्रणा

पालघर : पुढारी वृत्तसेवा

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाने एक महत्त्वपूर्ण टप्पा गाठला आहे.१०३ किलोमीटर लांबीच्या व्हायाडक्टच्या दोन्ही बाजूंना दोन लाख सहा हजार नॉईज बॅरियर्स (आवाज प्रतिबंधक) बसवण्यात आले आहेत. प्रत्येक एक किलोमीटर अंतरासाठी, व्हायाडक्टच्या प्रत्येक बाजूस दोन हजार नॉईज बॅरियर्स बसविण्यात आले आहेत.

बुलेट ट्रेनच्या नागरी भागातील रचनेमुळे निर्माण होणारा आवाज कमी करण्यासाठी नॉईज बॅरियर्स तयार करण्यात आले आहेत.नॉईज बॅरियर्स बुलेट ट्रेनच्या एअरोडायनॅमिक आवाजाला परावर्तित आणि वितरित करतात, तसेच रेल्वे ट्रॅकरुळांवरून धावणाऱ्या चाकांमुळे निर्माण होणारा आवाज कमी करतात.

नॉईज बॅरियर दोन मीटर उंच,एक मीटर रुंदीचा असून वजन सुमारे ८३०-८४० किलो आहे. निवासी व शहरी भागांमध्ये तीन मीटर उंचीचे नॉईज बॅरियर्स बसवण्यात आले आहेत. नॉईज बॅरियर्समध्ये दोन मीटर नॉईज बॅरियरवर एक मीटर उंचीचा पारदर्शक पॉलीकार्बोनेट पॅनेल बसवण्यात आला आहे, ज्यामुळे बुलेट ट्रेन मधील प्रवाशांना विहंगम दृश्यांचा आनंद घेता येणार आहे. नॉईज बॅरियर्सच्या निर्मितीसाठी सहा कारखाने उभारण्यात आले आहेत.

तीन अहमदाबादमध्ये तर उर्वरित कारखाने सूरत, वडोदरा आणि आणंद येथे आहेत.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या महत्त्वाच्या बांधकामांमध्ये लक्षणीय प्रगती झाली आहे. २४३ किमीहून अधिक व्हायाडक्टचे काम पूर्ण झाले आहे. तसेच, ३५२ किलोमीटर अंतरा पर्यंत पियरचे बांधकाम आणि ३६२ किलोमीटर पर्यंत पियर फाउंडेशनचे काम पूर्ण झाले आहे.तेरा नद्यांवर पूल बांधण्यात आले आहेत, तर पाच स्टील पूल व दोन पीएससी पूल वापरून अनेक रेल्वे लाईन्स व महामार्गांच्या वरून पुलांचे बांधकाम पूर्ण करण्यात आले आहे. गुजरातमध्ये ट्रॅक बांधकाम वेगाने सुरू असून, आणंद, वडोदरा, सूरत आणि नवसारी जिल्ह्यांमध्ये आरसी (रिइनफोर्स्ड कॉंक्रीट) ट्रॅक बेडचे काम सुरू आहे. आतापर्यंत ७१ ट्रॅक किलोमीटर आरसी ट्रॅक बेडचे काम पूर्ण झाले असून व्हायाडक्टवर ट्रॅकच्या वेल्डिंगच्या कामाला सुरुवात झाली आहे.

मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशनसाठी ३२ मीटर खोलीवर (१० मजल्यांच्या इमारतीच्या समतुल्य) पहिला कॉंक्रीट बेस-स्लॅब टाकण्यात आला आहे. वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) ते शिळफाटा या २१ किलोमीटर लांबीच्या बोगद्याचे काम प्रगतीपथावर आहे. मुख्य बोगद्याच्या बांधकामासाठी ३९४ मीटरची इंटरमिजिएट टनेलची (एडीआयटी) निर्मिती पूर्ण करण्यात आली आहे.

पालघर जिल्ह्यात सात डोंगरी बोगद्यांचे बांधकाम न्यू ऑस्ट्रियन टनेलिंग मेथड (एनएटीएम) पद्धतीने सुरू आहे. गुजरातमधील एकमेव डोंगरी बोगदा यशस्वीरित्या पूर्ण झाला आहे. परिसरातील बारा बुलेट ट्रेनची स्थानके विशिष्ट घटक व उर्जाक्षम वैशिष्ट्यांसह तयार करण्यात आली आहेत, जलद गतीने बांधकाम सुरु आहे. पर्यावरणपूरकता जपून जागतिक दर्जाचा प्रवासी अनुभव देण्यासाठी ऊर्जा-सकारात्मक स्थानकांची रचना करण्यात आली आहेत.

PUDHARI, PALGHAR, 24.12.2024
Page No. 3, Size:(3.82)cms X (3.25)cms.

Two lakh noise barriers in Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरमध्ये दोन लाख 'नॉईज बॅरियर्स'

१०० किमी अंतरापर्यंत व्हायाडक्टच्या दुतर्फा बसवली यंत्रणा

PUDHARI, Mumbai, 24.12.2024
Page No. 8, Size:(9.55)cms X (7.61)cms.

Mumbai-Ahmedabad bullet train will be sound proof

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन होणार साऊंड प्रूफ

१०३ कि.मी.च्या मार्गात २ लाख नॉईज बॅरियर्स

मुंबई : पुढारी वृत्तसेवा

बुलेट ट्रेनच्या १०३ कि.मी.च्या मार्गात दोन लाख ६ हजार नॉईज बॅरियर्स (ध्वनी अवरोधक) लावण्यात आले आहेत. प्रत्येक एक किलोमीटरवर व्हायाडक्टच्या दोन्ही बाजूला नॉईज़ बॅरियर्स बसविण्यात आले आहेत. यामुळे एलिव्हेटेड मार्गावरून धावणाऱ्या बुलेट ट्रेनच्या आवाजाचा आजूबाजूच्या परिसरातील नागरिकांना त्रास होणार नाही.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनच्या बीकेसी येथील भूमिगत स्थानकासह समुद्राखालील बोगद्याचे काम वेगाने सुरू आहे. वर्ष २०२५मध्ये बिलीमोरा ते वापी दरम्यान बुलेट ट्रेनचा पहिला टप्पा सुरू होणार आहे. हे ध्वनी अडथळे मार्गाच्या दोन्ही बाजूंना लावण्यात येत आहेत. दरताशी ३२० किमी वेगाने धावणाऱ्या बुलेट ट्रेनचा होणारा आवाज कमी करण्यासाठी ते बसवले जात आहेत. नॉईज बॅरियर्स रुळांपासून २ मीटर उंच आणि १ मीटर रुंद काँक्रीट पॅनेल बसविले आहेत. प्रत्येक नॉईज बॅरियर्स हाअंदाजे ८३०-८४० किलो वजनाचा आहे. हे ट्रेनद्वारे निर्माण होणारा ध्वनी आणि ट्रेनच्या खालच्या भागातून निर्माण होणारा आवाज, मुख्यतः रुळांवर धावणाऱ्या चाकांच्या घर्षणातून होणारा आवाज विभागण्यास मदत

निसर्गाचा आनंद घेता येणार

बुलेट ट्रेनच्या खिडकीतून बाहेरील दृश्य पाहण्याचा आनंद लुटण्यात नॉईज बॅरियर्सचा अडथळा येणार नाही, अशा पद्धतीने ते लावण्यात आले आहेत. निवासी आणि शहरी भागातून जाणाऱ्या व्हायाडक्टमध्ये ३ मीटर उंच ध्वनी अडथळे बसवले आहे. २ मीटर काँक्रीट पॅनेल व्यतिरिक्त, अतिरिक्त १ मीटर नॉईज बॅरियर्स 'पॉली कार्बोनेट' आणि पारदर्शक असतील. त्यामुळे खिडकीतून बाहेरील दृश्य आणि निसर्गाचा आनंद लुटता येईल.

"बुलेट ट्रेनच्या निर्मितीमध्ये प्रगत तंत्रज्ञानासह पर्यावरणाचा देखील विचार केला आहे. बुलेट ट्रेनमुळे आर्थिक विकास होण्यास आणखी मदत होईल.

- विवेककुमार गुप्ता,
प्रकल्प संचालक, एनएचएसआरसीएल

THANE VAIBHAV, Thane, 24.12.2024
Page No. 3, Size:(19.99)cms X (34.38)cms.

BKC-Shilphata tunnel work superfast

२१ किमी बोगद्यासाठी ३९४ मीटरचे टनेल

बीकेसी-शिळफाटा बोगद्याचे काम सुपरफास्ट

ठाणे : महाराष्ट्रात, मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशनसाठी 32 मीटर खोलीवर म्हणजे 10 मजल्यांच्या इमारतीच्या समतुल्य पहिले काँक्रीट बेस-स्लॅब यशस्वीरित्या टाकण्यात आले आहे तर वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) ते शिळफाटा या 21 किमी बोगद्याचे काम प्रगतीपथावर आहे. मुख्य बोगद्याच्या बांधकामासाठी 394 मीटरची इंटरमिजिएट टनेल (एडीआयटी) निर्मिती पूर्ण करण्यात आली आहे.

या कामांसाठी 'मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉर'च्या 100 कि.मी. 'व्हायाडक्ट'वर तब्बल 2,00,000 नॉईज बॅरियर्स बसविण्यात आले आहेत.

243 किमीहून अधिक व्हायाडक्टचे काम पूर्ण झाले आहे तसेच, 352 कि.मी. पियरचे बांधकाम आणि 362 कि.मी. पियर फाउंडेशनचे कामही पूर्ण झाले आहे. 13 नद्यांवर पूल बांधण्यात आले आहेत, तर पाच स्टील पूल व दोन पीएससी पूल वापरून अनेक रेल्वे लाईन्स व महामार्गांच्या वरून बांधकाम पूर्ण करण्यात आले आहेत, असेही सांगण्यात आले.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाने एक महत्त्वपूर्ण मैलाचा दगड गाठला आहे. 103 किलोमीटरच्या व्हायाडक्टच्या दोन्ही बाजूंना 206,000 नॉईज बॅरियर्स (आवाज प्रतिबंधक) बसविण्यात आले आहेत. प्रत्येकी एक किलोमीटर अंतरासाठी, व्हायाडक्टच्या प्रत्येक बाजूस 2,000 नॉईज बॅरियर्स धोरणात्मकदृष्ट्या बसविण्यात आले आहेत.

पालघर जिल्ह्यात सात डोंगरी बोगद्यांचे बांधकाम न्यू ऑस्ट्रियन टनेलिंग मेथड (एनएटीएम) पद्धतीने सुरू आहे. गुजरातमधील एकमेव डोंगरी बोगदा यशस्वीरित्या पूर्ण

➤पान ४ वर

बीकेसी-शिळफाटा बोगद्याचे काम सुपरफास्ट

झाला आहे. प्रकल्पाने हाय-स्पीड रेल्वे इन्फ्रास्ट्रक्चरमध्ये एक नवी उंची गाठली आहे. अत्याधुनिक तंत्रज्ञान व पर्यावरणीय बाबींचा समतोल साधत, हा प्रकल्प केवळ कनेक्टिव्हिटी बदलत नाही. तर मोठ्या प्रमाणावर सामाजिक आणि आर्थिक फायदे निर्माण करत आहे.

हजारो रोजगारांची निर्मिती, स्थानिक उद्योगांचा विकास आणि प्रादेशिक पायाभूत सुविधा सुधारणे यासह हा प्रकल्प प्रादेशिक विकासाला चालना देत, प्रवासाचा वेळ कमी करणे, गतिशीलता वाढवणे आणि जीवनशैली सुधारण्यासाठी हात•ार लावत आहे, अशी माहिती 'एनएचएसआरसीएल'चे व्यवस्थापकीय संचालक विवेक कुमार गुप्ता यांनी दिली.

परिसरातील 12 स्थानके, जी विशिष्ट घटक व उर्जाक्षम वैशिष्ट्यांसह तयार करण्यात आली आहेत, ती जलद गतीने बांधली जात आहेत. पर्यावरणपूरकता जपून जागतिक दर्जाचा प्रवासी अनुभव देण्यासाठी या ऊर्जा-सकारात्मक स्थानकांची रचना करण्यात आली आहेत.

बुलेट ट्रेन व नागरी रचनेमुळे निर्माण होणारा आवाज कमी करण्यासाठी नॉईज बॅरियर्स तयार करण्यात आले आहेत. हे नॉईज बॅरियर्स ट्रेनच्या एअरोडायनॅमिक आवाजाला परावर्तित आणि वितरित करतात, तसेच रेल्वे ट्रॅक रुळांवरून धावणा-या चाकांमुळे निर्माण होणारा आवाजही कमी करतात.

प्रत्येक नॉईज बॅरियर 2 मीटर उंचीचा, एक मीटर रुंदीचा असून त्याचे वजन सुमारे 830-840 किलो आहे. निवासी व शहरी भागांमध्ये, तीन मीटर उंचीचे नॉईज बॅरियर्स बसवण्यात आले आहेत. या नॉईज बॅरियर्समध्ये दोन मीटर नॉईज बॅरियरवर एक मीटर उंचीचा पारदर्शक पॉलीकाबोर्नेट पॅनेल बसवण्यात आला आहे, ज्यामुळे प्रवाशांना विहंगम दृश्यांचा आनंद घेता येतो.

या नॉईज बॅरियर्सच्या निर्मितीसाठी सहा समर्पित कारखाने स्थापन करण्यात आले आहेत. त्यापैकी तीन अहमदाबादमध्ये, तर प्रत्येकी एक सूरत, वडोदरा आणि आणंद येथे आहेत. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या महत्त्वाच्या बांधकामांमध्ये लक्षणीय प्रगती झाली आहे.

GUJARAT MITRA, Surat, 24.12.2024
Page No. 14, Size:(4.33)cms X (4.91)cms.

2.06 lakh noise barriers were installed on the Mumbai-Ahmedabad bullet train project

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ ઉપર 2.06 લાખ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયાં

દર એક કિલોમીટરના અંતરે 2000 નોઈઝ બેરિયર્સ સ્થાપિત કરાયાં

સુરતઃ મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ પર 103 કિલોમીટર લાંબા વાયડક્ટની બંને બાજુ 2.06 લાખ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાડવામાં આવ્યા છે. વાયડક્ટની બંને બાજુએ દર એક કિલોમીટરના અંતરે 2000 નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવવામાં આવ્યા છે.

નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડના મેનેજિંગ ડિરેક્ટર વિવેકકુમાર ગુપ્તાએ જણાવ્યું હતું કે, બુલેટ ટ્રેનના સંચાલન દરમિયાન ટ્રેન અને સિવિલ સ્ટ્રક્ચર્સ દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને ઘટાડવા માટે અવાજને અવરોધતી ડિઝાઈન તૈયાર કરવામાં આવી છે. આ અવાજ અવરોધક ટ્રેન દ્વારા ઉત્પન્ન થતા એરોડાયનેમિક અવાજ તેમજ ટ્રેક પર ચાલતા પૈડાઓ દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને પ્રતિબિંબિત કરે છે અને તેનું વિતરણ કરે છે. દરેક અવાજ અવરોધ 2 મીટર ઊંચો અને 1 મીટર પહોળો છે અને તેનું વજન આશરે 830-840 કિગ્રા છે. રહેણાંક અને શહેરી વિસ્તારોમાં 3 મીટર સુધીના અવાજ અવરોધો સ્થાપિત કરવામાં આવ્યા છે. જેમાં 2 મીટરના કોંક્રિટ બેરિયર પર વધારાની એક મીટરની પારદર્શક પોલીકાર્બોનેટ પેનલનો સમાવેશ થાય છે. મુસાફરો અવિરત નજારો માણી શકે તેની ખાતરી કરવા. આ અવરોધોના ઉત્પાદનની સુવિધા માટે છ વિશેષ ફેક્ટરીઓની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. આમાંથી ત્રણ ફેક્ટરીઓ અમદાવાદમાં છે, જ્યારે એક-એક સુરત, વડોદરા અને આણંદમાં છે.

SANDESH, Surat, 24.12.2024
Page No. 2, Size:(17.34)cms X (8.96)cms.

Lakh sound proof barriers were installed on both sides of the 100 km track

બુલેટ ટ્રેન

પાટા પર દોડે તે સમયે અવાજ ઓછો આવે તેથી બેરિયર લગાડવામાં આવ્યા

100 કિમી ટ્રેકની બંને બાજુ બે લાખ અવાજ પ્રતિરોધક બેરિયર લગાડાયા

। સુરત ।

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની કામગીરી બુલેટ ગતિએ આગળ ધપી રહી છે. ટ્રેક નાંખવાની કામગીરી પણ આરંભી દેવામાં આવી છે. ત્યારે ટ્રેન પાટા પર દોડે તે વખતે આવતા અવાજને ઓછો કરે તે માટે ટ્રેકની બંને બાજુ અવાજ પ્રતિરોધક બેરિયર લગાડવામાં આવી રહ્યા છે. અત્યાર સુધીમાં બુલટ ટ્રેનના રૂટ પર ૧૦૩ કિલોમીટરમાં ૨.૦૬ લાખ અવાજ પ્રતિરોધક બેરિયર લગાડી દેવામાં આવ્યા છે. ૧ કિલોમીટરમાં ૨૦૦૦ બેરિયર લગાડાયા છે. હવે બે મીટર ઊંચા અને એક મીટર પહોંળા એક બેરિયરનું વજન

1 કિમીમાં 2000 ધ્વનિ નિયંત્રકો મુકાયા, એક બેરિયરનું વજન 840 કિલોગ્રામ

૮૩૦થી ૮૪૦ કિલોગ્રામ થાય છે. આવા ૨.૦૬ લાખ બેરિયર લગાડી દેવાયા છે.

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીના ડ્રીમ પ્રોજેક્ટ બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી પૂરજોશમાં ચાલી રહી છે. આમ તો અમદાવાદથી મુંબઈ સુધી જમીન સંપાદનની કામગીરી ૧૦૦ ટકા પૂર્ણ થઈ ચૂકી છે. સુરતથી બીલીમોરા વચ્ચેનો રૂટ સૌપ્રથમ કાર્યરત કરવાનો હોવાથી આ રૂટ પર દિવસ-રાત કામગીરી ચાલી રહી છે. ત્યારે NHSRCL દ્વારા જાન્યુઆરી ૨૦૨૪થી ડિસેમ્બર ૨૦૨૪ સુધીમાં થયેલી કામગીરીનો ચિતાર રજૂ કરાયો હતો. જેમાં મુંબઈથી અમદાવાદ વચ્ચે તૈયાર થઈ ગયેલા વાયડક્ટ પર અત્યાર સુધીમાં ૧૦૩ કિલોમીટરમાં ૨.૦૬ લાખ અવાજ પ્રતિરોધક બેરિયર લગાડી દેવામાં આવ્યા છે. ટ્રેન પાટા પર દોડે તે સમયે આવતો અવાજ અને બહાર થતો અવાજ ટ્રેનમાં બેસેલા મુસાફરોને પણ ઓછો સંભળાય તે માટે વાયડક્ટની બંને તરફ બેરિયર લગાડવામાં આવી રહ્યા છે. આ બેરિયર એવી રીતે લગાડવામાં આવી રહ્યા છે કે જેથી કરીને ટ્રેનમાં બેસેલા મુસાફરો બહારનો નજારો કોઈપણ જાતના અવરોધ વગર નિહાળી શકે. બેરિયર બનાવવા માટે અમદાવાદ ત્રણ ફેક્ટરી જ્યારે સુરત, વડોદરા અને આણંદમાં એક એક ફેક્ટરી નાંખવામાં આવી છે. અહીંયા બેરિયર તૈયાર થાય છે ત્યારબાદ ટ્રેકની બંને તરફ લગાડવામાં આવે છે. વધુમાં અત્યાર સુધીમાં ૨૪૩ કિલોમીટરમાં વાયડક્ટના નિર્માણની કામગીરી પૂરી થઈ ચૂકી છે. જ્યારે ૩૫૨ કિલોમીટરમાં પિલર ઊભા કરી દેવાયા છે.

GUJARAT SAMACHAR, Vadodara, 24.12.2024
Page No. 5, Size:(13.33)cms X (6.93)cms.

More than 200,000 sound controllers were placed along the bullet train route

અમદાવાદ-મુંબઈ વચ્ચે દોડનારી

બુલેટ ટ્રેનના રૂટમાં બે લાખથી વધુ ધ્વનિ નિયંત્રકો મૂકાયા

અમદાવાદ,સોમવાર

અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં ૧૦૩ કિલોમીટરના પુલ જેવા માળખા (વાયાડક્ટ)ની બંને બાજુએ ૨.૦૬ લાખ ધ્વનિ નિયંત્રકો સ્થાપિત કરી દેવામાં આવ્યા છે. પ્રત્યેક ૧ કિલોમીટરના પટ્ટા માટે વાયાડક્ટની દરેક બાજુએ વ્યૂહાત્મક રીતે બે હજાર ધ્વનિ નિયંત્રકો મૂકાયા છે. બુલેટ ટ્રેન કામગીરી દરમિયાન ટ્રેન અને સિવિલ માળખા દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને ઘટાડવા માટે ધ્વનિ નિયંત્રકોની રચના કરવામાં આવી છે. આ નિયંત્રકો ટ્રેન દ્વારા ઉત્પાદિત એરોડાયનેમિક અવાજ તેમજ ટ્રેક પર દોડતા પૈડાઓ દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને પ્રતિબિંબિત કરે છે અને તેનું વિતરણ કરે છે. દરેક અવરોધની ઊંચાઈ ૨ મીટર અને પહોળાઈ ૧ મીટર હોય છે, જેનું વજન આશરે ૮૩૦-૮૪૦ કિગ્રા હોય છે.

રહેણાંક અને શહેરી વિસ્તારોમાં ૩ મીટર ઊંચા ધ્વનિ નિયંત્રકો લગાવવામાં આવ્યા છે. જેમાં ૨ મીટર કોંક્રિટ અવરોધની ઉપર ૧-મીટરની વધારાની અર્ધપારદર્શક પોલિકાર્બોનેટ પેનલનો સમાવેશ થાય છે, જેથી મુસાફરો અવરોધ વિના દ્રશ્યોનો આનંદ માણી શકે.આ અવરોધોના ઉત્પાદનને ટેકો આપવા માટે, છ સમર્પિત ફેક્ટરીઓની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. જેમાં અમદાવાદમાં ત્રણ ફેક્ટરીઓ અને સુરત, વડોદરા અને આણંદમાં એક-એક ફેક્ટરી આવેલી છે.૨૪૩ કિલોમીટરથી વધુ વાયાડક્ટનું નિર્માણ કાર્ય પૂર્ણ થયું છે, જેમાં ૩૫૨ કિલોમીટરનું થાંભલાઓનું કાર્ય અને ૩૬૨ કિલોમીટરનું થાંભલાના ફાઉન્ડેશનનું કામ પણ સામેલ છે. ૧૩ નદીઓ પર પુલોનું નિર્માણ કરાયું છે.

GUJARAT SAMACHAR, Ahmedabad, 24.12.2024
Page No. 16, Size:(8.66)cms X (11.93)cms.

More than 200,000 sound controllers were placed along the bullet train route

અમદાવાદ-મુંબઈ વચ્ચે દોડનારી

બુલેટ ટ્રેનના રૂટમાં બે લાખથી વધુ ધ્વનિ નિયંત્રકો મૂકાયા

અમદાવાદ,સોમવાર

અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં ૧૦૩ કિલોમીટરના પુલ જેવા માળખા (વાયાડક્ટ)ની બંને બાજુએ ૨.૦૬ લાખ ધ્વનિ નિયંત્રકો સ્થાપિત કરી દેવામાં આવ્યા છે. પ્રત્યેક ૧ કિલોમીટરના પટ્ટા માટે વાયાડક્ટની દરેક બાજુએ વ્યૂહાત્મક રીતે બે હજાર ધ્વનિ નિયંત્રકો મૂકાયા છે.

૩૨૦ કિમી પ્રતિ કલાકે દોડતી હોવા છતાં ધ્વનિ નિયંત્રકો દ્વારા મુસાફરો ઘોંઘાટ નહીં અનુભવે

બુલેટ ટ્રેન કામગીરી દરમિયાન ટ્રેન અને સિવિલ માળખા દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને ઘટાડવા માટે ધ્વનિ નિયંત્રકોની રચના કરવામાં આવી છે. આ નિયંત્રકો ટ્રેન દ્વારા ઉત્પાદિત એરોડાયનેમિક અવાજ તેમજ ટ્રેક પર દોડતા પૈડાઓ દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને પ્રતિબિંબિત કરે છે અને તેનું વિતરણ કરે છે. દરેક અવરોધની ઊંચાઈ ૨ મીટર અને પહોળાઈ ૧ મીટર હોય છે, જેનું વજન આશરે ૮૩૦-૮૪૦ કિગ્રા હોય છે. રહેણાંક અને શહેરી વિસ્તારોમાં ૩ મીટર ઊંચા ધ્વનિ નિયંત્રકો લગાવવામાં આવ્યા છે. જેમાં ૨ મીટર કોંક્રિટ અવરોધની ઉપર ૧-મીટરની વધારાની અર્ધપારદર્શક પોલિકાર્બોનેટ પેનલનો સમાવેશ થાય છે, જેથી મુસાફરો અવરોધ વિના દ્રશ્યોનો આનંદ માણી શકે.આ અવરોધોના ઉત્પાદનને ટેકો આપવા માટે, છ સમર્પિત ફેક્ટરીઓની સ્થાપના કરવામાં આવી છે. જેમાં અમદાવાદમાં ત્રણ ફેક્ટરીઓ અને સુરત, વડોદરા અને આણંદમાં એક-એક ફેક્ટરી આવેલી છે.૨૪૩ કિલોમીટરથી વધુ વાયાડક્ટનું નિર્માણ કાર્ય પૂર્ણ થયું છે, જેમાં ૩૫૨ કિલોમીટરનું થાંભલાઓનું કાર્ય અને ૩૬૨ કિલોમીટરનું થાંભલાના ફાઉન્ડેશનનું કામ પણ સામેલ છે. ૧૩ નદીઓ પર પુલોનું નિર્માણ કરાયું છે.

DIVYA BHASKAR, Vadodara, 24.12.2024
Page No. 2, Size:(7.74)cms X (5.91)cms.

Ahmedabad-Mumbai bullet train work in full swing: 2.06 lakh noise barriers installed on 103 km viaduct

અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂર જોશમાં: 103 કિમીના વાયડક્ટ પર 2.06 લાખ નોઇઝ બેરિયર લગાડાયાં

સુરત। અમદાવાદ મુંબઈ બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂર જોશમાં ચાલી રહ્યું છે. બુલેટ ટ્રેનના અવાજને કારણે પેસેન્જરો કંટાળી ના જાય માટે નોઈસ બેરિયર લગાડવાનો નિર્ણય કરવામાં આવ્યો હતો. 103 કિલોમીટરના વાયડકટ પર 2.06 નોઈઝ બેરિયર લગાડવામાં આવ્યા છે. દરેક નોઈઝ બેરિયર 2 મી.ઊંચો અને 1 મી. પહોળો છે અને તેનું વજન આશરે 830-840 કિલો છે. રહેણાંક અને શહેરી વિસ્તારોમાં 3 મીટર ઊંચા નોઈઝ બેરિયર મૂકવામાં આવ્યા છે.

DIVYA BHASKAR, Navsari, 24.12.2024
Page No. 1, Size:(8.70)cms X (6.23)cms.

The work of sound controllers has been completed in many areas of Navsari district

નવસારી જિલ્લાના અનેક વિસ્તારોમાં ધ્વનિ નિયંત્રકોનું કામ પૂર્ણ

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ અંતર્ગત નવસારી જિલ્લામાં પણ કામગીરી ચાલી રહી છે. આ પ્રોજેક્ટમાં એક મહત્વની કામગીરી ધ્વનિ નિયંત્રક લગાવવાની પણ છે જેનાથી સ્થાનિક લોકો અવાજ પ્રદૂષણનો સામનો કરવો પડે નહીં. નવસારી જિલ્લામાં ધ્વનિ પ્રતિરોધક લગાવવાની ઘણી કામગીરી પૂર્ણ થઈ ગઈ છે. અહી ઉલ્લેખનીય છે કે રાજ્યમાં અત્યાર સુધીમાં 100 કિમીના વિસ્તારમાં 2 લાખથી વધુ ધ્વનિ નિયંત્રક લગાવાઈ ચૂક્યા છે.

DIVYA BHASKAR, Ahmedabad, 24.12.2024
Page No. 4, Size:(8.19)cms X (6.23)cms.

Ahmedabad-Mumbai bullet train work in full swing: 2.06 lakh noise barriers installed on 103 km viaduct

અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂર જોશમાં: 103 કિમીના વાયડક્ટ પર 2.06 લાખ નોઇઝ બેરિયર લગાડાયાં

સુરત। અમદાવાદ મુંબઈ બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂર જોશમાં ચાલી રહ્યું છે. બુલેટ ટ્રેનના અવાજને કારણે પેસેન્જરો કંટાળી ના જાય માટે નોઇસ બેરિયર લગાડવાનો નિર્ણય કરવામાં આવ્યો હતો. 103 કિલોમીટરના વાયડકટ પર 2.06 નોઈઝ બેરિયર લગાડવામાં આવ્યા છે. દરેક નોઈઝ બેરિયર 2 મી.ઊંચો અને 1 મી. પહોળો છે અને તેનું વજન આશરે 830-840 કિલો છે. રહેણાંક અને શહેરી વિસ્તારોમાં 3 મીટર ઊંચા નોઈઝ બેરિયર મૂકવામાં આવ્યા છે.

SAKAL, Mumbai, 25.12.2024
Page No. 1, Size:(9.34)cms X (3.68)cms.

Soundproof technology to prevent noise pollution, Facilities in bullet train project

ध्वनिप्रदूषण रोखण्यासाठी साउंडप्रूफ तंत्रज्ञान

बुलेट ट्रेन प्रकल्पात सुविधा

सकाळ वृत्तसेवा

मुंबई, ता. २४ : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पात १०३ किलोमीटरच्या मार्गावर दोन लाख सहा हजार ध्वनी अडथळे (नॉइस बॅरियर्स) बसविण्यात आले आहेत. एलिव्हेटेड मार्गावरून वेगाने धावणाऱ्या बुलेट ट्रेनच्या आवाजाचा आजूबाजूच्या परिसरातील नागरिकांना त्रास होऊ नये, यासाठी हा निर्णय घेण्यात आला आहे.

प्रत्येक किलोमीटर अंतरावर व्हायाडक्टच्या दोन्ही बाजूंना हे नॉइस बॅरियर्स उभारण्यात आले आहेत. २०२५मध्ये बुलेट ट्रेनचा पहिला टप्पा बिलीमोरा ते वापीदरम्यान सुरू होणार आहे. बीकेसीमधील भूमिगत स्थानक आणि समुद्राखालील बोगद्याचे काम सध्या वेगाने सुरू आहे. बुलेट ट्रेनसाठी नॉइस बॅरियर्स तयार करण्यासाठी सुरत, आनंद, वडोदरा आणि अहमदाबाद येथे सहा प्रीकास्ट कारखाने उभारण्यात आले आहेत.

दोन मीटर उंच आणि एक मीटर रुंद काँक्रीट पॅनेलच्या स्वरूपात हे अडथळे बसवले जात आहेत. प्रत्येक पॅनेलचे वजन अंदाजे ८३०-८४० किलो आहे. हे ध्वनी अडथळे रुळांवरून धावणाऱ्या चाकांच्या घर्षणामुळे होणारा आवाज आणि ट्रेनच्या खालच्या भागातून होणारा ध्वनी रोखण्यास मदत करतात. शहरी आणि निवासी भागात तीन मीटर उंच पॅनेल लावण्यात आले असून, त्यातील एक मीटर पॉलीकार्बोनेट आणि पारदर्शक असेल. त्यामुळे प्रवाशांना खिडकीतून बाहेरील दृश्य पाहता येईल.

SAKAL, PALGHAR, 26.12.2024
Page No. 2, Size:(9.43)cms X (9.33)cms.

Two lakh six thousand prevention system on the route to control the noise of the bullet train

बुलेट ट्रेनचा आवाज नियंत्रणात

मार्गावर दोन लाख सहा हजार प्रतिबंधक यंत्रणा

मनोर, ता. २५ (बातमीदार) : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाने एक महत्त्वपूर्ण टप्पा गाठला आहे. १०३ किलोमीटर लांबीच्या व्हायाडक्टच्या दोन्ही बाजूंना दोन लाख सहा हजार आवाज प्रतिबंधक (नॉईज बॅरियर्स) बसवण्यात आले आहेत. प्रत्येक एक किलोमीटर अंतरासाठी व्हायाडक्टच्या प्रत्येक बाजूस दोन हजार आवाज प्रतिबंधक बसवण्यात आले आहेत.

बुलेट ट्रेनच्या नागरी भागातील रचनेमुळे निर्माण होणारा आवाज कमी करण्यासाठी नॉईज बॅरियर्स तयार केले आहेत. नॉईज बॅरियर्स बुलेट ट्रेनच्या एअरोडायनॅमिक आवाजाला परावर्तित आणि वितरित करतात. तसेच रुळांवरून धावणाऱ्या चाकांमुळे निर्माण होणारा आवाज कमी करतात. नॉईज बॅरियर दोन मीटर उंच, एक मीटर रुंदीचा असून वजन सुमारे ८३०-८४० किलो आहे. निवासी व शहरी भागांमध्ये तीन मीटर उंचीचे नॉईज बॅरियर्स बसवले आहेत. त्यामध्ये दोन मीटर नॉईज बॅरियरवर एक मीटर उंचीचा पारदर्शक पॉलीकार्बोनेट पॅनेल बसवला आहे. त्याच्या निर्मितीसाठी सहा कारखाने उभारले आहेत. तीन अहमदाबादमध्ये, तर उर्वरित कारखाने सुरत, वडोदरा आणि आणंद येथे आहेत.

स्थानकांची विशिष्ट रचना

परिसरातील १२ बुलेट ट्रेनची स्थानके विशिष्ट घटक व ऊर्जाक्षम वैशिष्ट्यांसह तयार केली असून जलद गतीने बांधकाम सुरू आहे. पर्यावरणपूरकता जपून जागतिक दर्जाचा प्रवासी अनुभव देण्यासाठी ऊर्जा-सकारात्मक स्थानकांची रचना केली आहेत.

पुलांचे बांधकाम पूर्ण

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या महत्त्वाच्या बांधकामांमध्ये लक्षणीय प्रगती झाली आहे. २४३ किमीहून अधिक व्हायाडक्टचे काम पूर्ण झाले आहे. तसेच, ३५२ किलोमीटर अंतरापर्यंत खांबाचे बांधकाम आणि ३६२ किलोमीटरपर्यंत पियर फाउंडेशनचे काम पूर्ण झाले आहे. १३ नद्यांवर पूल बांधण्यात आले आहेत, तर पाच स्टील पूल व दोन पीएससी पूल वापरून अनेक रेल्वे मार्ग व महामार्गांवरून पुलांचे बांधकाम पूर्ण केले आहे.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाने हाय-स्पीड रेल्वे इन्फ्रास्ट्रक्चरमध्ये एक नवी उंची गाठली आहे. अत्याधुनिक तंत्रज्ञान व पर्यावरणीय बाबींचा समतोल साधत, प्रकल्प केवळ कनेक्टिव्हिटी बदलत नाही, तर मोठ्या प्रमाणावर सामाजिक आणि आर्थिक फायदेही निर्माण करत आहेत. हजारो रोजगारांची निर्मिती, स्थानिक उद्योगांचा विकास आणि प्रादेशिक पायाभूत सुविधा सुधारण्यासह हा प्रकल्प प्रादेशिक विकासाला चालना देत प्रवासाचा वेळ कमी करणे, गतिशीलता वाढवणे आणि जीवनशैली सुधारण्यासाठी हातभार लावत आहे.

- विवेक कुमार गुप्ता, व्यवस्थापकीय संचालक, नॅशनल हाय स्पीड रेल्वे प्रकल्प

प्रगतिपथावरील काम...

- गुजरातमध्ये ट्रॅक बांधकाम वेगाने सुरू असून, आणंद, वडोदरा, सुरत आणि नवसारी जिल्ह्यांमध्ये आरसी (रिइनफोर्स्ड काँक्रीट) ट्रॅक बेडचे काम सुरू आहे. आतापर्यंत ७१ ट्रॅक किलोमीटर आरसी ट्रॅक बेडचे काम पूर्ण झाले आहे. व्हायाडक्टवर ट्रॅकच्या वेल्डिंगच्या कामाला सुरुवात झाली आहे.
- मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशनसाठी ३२ मीटर खोलीवर (१० मजल्यांच्या इमारतीच्या समतुल्य) पहिला काँक्रीट बेस-स्लॅब टाकण्यात आला आहे.
- वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) ते शिळफाटा या २१ किलोमीटर लांबीच्या बोगद्याचे काम प्रगतिपथावर आहे. मुख्य बोगद्याच्या बांधकामासाठी ३९४ मीटरची इंटरमिजिएट टनेलची (एडीआयटी) निर्मिती पूर्ण करण्यात आली.
- पालघर जिल्ह्यात सात डोंगरी बोगद्यांचे बांधकाम न्यू ऑस्ट्रियन टनेलिंग मेथड (एनएटीएम) पद्धतीने सुरू आहे.

SAKAL, Thane, 26.12.2024
Page No. 2, Size:(9.43)cms X (9.33)cms.

Two lakh six thousand prevention system on the route to control the noise of the bullet train

बुलेट ट्रेनचा आवाज नियंत्रणात

मार्गावर दोन लाख सहा हजार प्रतिबंधक यंत्रणा

मनोर, ता. २५ (बातमीदार) : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाने एक महत्त्वपूर्ण टप्पा गाठला आहे. १०३ किलोमीटर लांबीच्या व्हायाडक्टच्या दोन्ही बाजूंना दोन लाख सहा हजार आवाज प्रतिबंधक (नॉईज बॅरियर्स) बसवण्यात आले आहेत. प्रत्येक एक किलोमीटर अंतरासाठी व्हायाडक्टच्या प्रत्येक बाजूस दोन हजार आवाज प्रतिबंधक बसवण्यात आले आहेत.

बुलेट ट्रेनच्या नागरी भागातील रचनेमुळे निर्माण होणारा आवाज कमी करण्यासाठी नॉईज बॅरियर्स तयार केले आहेत. नॉईज बॅरियर्स बुलेट ट्रेनच्या एअरोडायनॅमिक आवाजाला परावर्तित आणि वितरित करतात. तसेच रुळांवरून धावणाऱ्या चाकांमुळे निर्माण होणारा आवाज कमी करतात. नॉईज बॅरियर दोन मीटर उंच, एक मीटर रुंदीचा असून वजन सुमारे ८३०-८४० किलो आहे. निवासी व शहरी भागांमध्ये तीन मीटर उंचीचे नॉईज बॅरियर्स बसवले आहेत. त्यामध्ये दोन मीटर नॉईज बॅरियरवर एक मीटर उंचीचा पारदर्शक पॉलीकार्बोनेट पॅनेल बसवला आहे. त्याच्या निर्मितीसाठी सहा कारखाने उभारले आहेत. तीन अहमदाबादमध्ये, तर उर्वरित कारखाने सुरत, वडोदरा आणि आणंद येथे आहेत.

स्थानकांची विशिष्ट रचना

परिसरातील १२ बुलेट ट्रेनची स्थानके विशिष्ट घटक व ऊर्जाक्षम वैशिष्ट्यांसह तयार केली असून जलद गतीने बांधकाम सुरू आहे. पर्यावरणपूरकता जपून जागतिक दर्जाचा प्रवासी अनुभव देण्यासाठी ऊर्जा-सकारात्मक स्थानकांची रचना केली आहेत.

पुलांचे बांधकाम पूर्ण

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या महत्त्वाच्या बांधकामांमध्ये लक्षणीय प्रगती झाली आहे. २४३ किमीहून अधिक व्हायाडक्टचे काम पूर्ण झाले आहे. तसेच, ३५२ किलोमीटर अंतरापर्यंत खांबाचे बांधकाम आणि ३६२ किलोमीटरपर्यंत पियर फाउंडेशनचे काम पूर्ण झाले आहे. १३ नद्यांवर पूल बांधण्यात आले आहेत, तर पाच स्टील पूल व दोन पीएससी पूल वापरून अनेक रेल्वे मार्ग व महामार्गांवरून पुलांचे बांधकाम पूर्ण केले आहे.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाने हाय-स्पीड रेल्वे इन्फ्रास्ट्रक्चरमध्ये एक नवी उंची गाठली आहे. अत्याधुनिक तंत्रज्ञान व पर्यावरणीय बाबींचा समतोल साधत, प्रकल्प केवळ कनेक्टिव्हिटी बदलत नाही, तर मोठ्या प्रमाणावर सामाजिक आणि आर्थिक फायदेही निर्माण करत आहेत. हजारो रोजगारांची निर्मिती, स्थानिक उद्योगांचा विकास आणि प्रादेशिक पायाभूत सुविधा सुधारण्यासह हा प्रकल्प प्रादेशिक विकासाला चालना देत प्रवासाचा वेळ कमी करणे, गतिशीलता वाढवणे आणि जीवनशैली सुधारण्यासाठी हातभार लावत आहे.

- विवेक कुमार गुप्ता, व्यवस्थापकीय संचालक, नॅशनल हाय स्पीड रेल्वे प्रकल्प

प्रगतिपथावरील काम...

- गुजरातमध्ये ट्रॅक बांधकाम वेगाने सुरू असून, आणंद, वडोदरा, सुरत आणि नवसारी जिल्ह्यांमध्ये आरसी (रिइनफोर्स्ड काँक्रीट) ट्रॅक बेडचे काम सुरू आहे. आतापर्यंत ७१ ट्रॅक किलोमीटर आरसी ट्रॅक बेडचे काम पूर्ण झाले आहे. व्हायाडक्टवर ट्रॅकच्या वेल्डिंगच्या कामाला सुरुवात झाली आहे.
- मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशनसाठी ३२ मीटर खोलीवर (१० मजल्यांच्या इमारतीच्या समतुल्य) पहिला काँक्रीट बेस-स्लॅब टाकण्यात आला आहे.
- वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) ते शिळफाटा या २१ किलोमीटर लांबीच्या बोगद्याचे काम प्रगतिपथावर आहे. मुख्य बोगद्याच्या बांधकामासाठी ३९४ मीटरची इंटरमिजिएट टनेलची (एडीआयटी) निर्मिती पूर्ण करण्यात आली.
- पालघर जिल्ह्यात सात डोंगरी बोगद्यांचे बांधकाम न्यू ऑस्ट्रियन टनेलिंग मेथड (एनएटीएम) पद्धतीने सुरू आहे.

PRAHAAR, Mumbai, 30.12.2024
Page No. 3, Size:(11.68)cms X (10.49)cms.

बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरच्या १०० कि.मी. व्हायाडक्टवर दोन लाख नॉईज बॅरियर्स

बुलेट ट्रेनचा आवाज कमी करण्यासाठी आवाज प्रतिबंधक यंत्रणा!

◆ ठाणे (प्रतिनिधी) :

बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचे काम दिवसागणिक वेगवान गतीने सुरू असून, मुंबई-अहमदाबाद शहारा दरम्यान धावणाऱ्या बुलेट ट्रेन प्रकल्पाने मोठा टप्पा गाठला आहे. १०३ किलोमीटरच्या व्हायाडक्टच्या दोन्ही बाजूंना दोन लाख सहा हजार नॉईज बॅरियर्स (आवाज प्रतिबंधक) बसविण्यात आले आहेत. प्रत्येकी एक किलोमीटर अंतरासाठी, व्हायाडक्टच्या प्रत्येक बाजूस दोन हजार नॉईज बॅरियर्स धोरणात्मकदृष्ट्या बसविण्यात आले आहेत. बुलेट ट्रेन जशी वेगाने देखील धावणार असली तरी या ट्रेनचा आवाज मोठा असणार आहे. त्यामुळे बुलेट ट्रेन व नागरी रचनेमुळे निर्माण होणारा आवाज कमी करण्यासाठी नॉईज बॅरियर्स तयार करण्यात आले आहेत.

तसेच रेल्वे ट्रॅक रुळांवरून धावणाऱ्या चाकांमुळे निर्माण होणारा आवाजही कमी करतात. प्रत्येक नॉईज बॅरियर २ मीटर उंचीचा, १ मीटर रुंदीचा असून त्याचे वजन सुमारे ८३० ते ८४० किलो आहे. निवासी व शहरी भागांमध्ये, ३ मीटर उंचीचे नॉईज बॅरियर्स बसवण्यात आले आहेत. या नॉईज बॅरियर्समध्ये २ मीटर नॉईज बॅरियरवर १ मीटर उंचीचा पारदर्शक पॉलीकार्बोनेट पॅनेल बसवण्यात आला आहे, ज्यामुळे प्रवाशांना विहंगम दृश्यांचा आनंद घेता येतो.

"मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाने हाय-स्पीड रेल्वे इन्फ्रास्ट्रक्चरमध्ये एक नवी उंची गाठली आहे. अत्याधुनिक तंत्रज्ञान व पर्यावरणीय बाबींचा समतोल साधत, हा प्रकल्प केवळ कनेक्टिव्हिटी बदलत नाही, तर मोठ्या प्रमाणावर सामाजिक आणि आर्थिक फायदे देखील निर्माण करीत आहे. हजारो रोजगारांची निर्मिती, स्थानिक उद्योगांचा विकास आणि प्रादेशिक पायाभूत सुविधा सुधारणे यासह हा प्रकल्प प्रादेशिक विकासाला चालना देत, प्रवासाचा वेळ कमी करणे, गतिशीलता वाढवणे आणि जीवनशैली सुधारण्यासाठी हातभार लावत आहे,"
- विवेककुमार गुप्ता, (व्यवस्थापकीय संचालक, एनएचएसआरसीएल)

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या महत्त्वाच्या बांधकामांमध्ये लक्षणीय प्रगती झाली आहे. २४३ किमीहून अधिक व्हायाडक्टचे काम पूर्ण झाले आहे. तसेच, ३५२ कि.मी. पियरचे बांधकाम आणि ३६२ कि.मी. पियर फाउंडेशनचे काम देखील पूर्ण झाले आहे. १३ नद्यांवर पूल बांधण्यात आले आहेत, तर पाच स्टील पूल व दोन पीएससी पूल वापरून अनेक रेल्वे लाईन्स व महामार्गांच्या वरून बांधकाम पूर्ण करण्यात आले आहे. गुजरातमध्ये ट्रॅक बांधकाम वेगाने सुरू असून, आणंद, वडोदरा, सूरत आणि नवसारी जिल्ह्यांमध्ये आरसी ट्रॅक बेडचे काम सुरू आहे. आतापर्यंत ७१ ट्रॅक किमी आरसी ट्रॅक बेडचे काम पूर्ण झाले असून व्हायाडक्टवर ट्रॅकच्या वेल्डिंगला सुरुवात झाली आहे.

100 km of bullet train corridor. Two lakh noise barriers on the viaduct to reduce the noise of the bullet train!

RAJASTHAN PATRIKA, Bilaspur, 25.12.2024
Page No. 2, Size:(8.84)cms X (6.67)cms.

बुलेट ट्रेन: 103 किमी में दो लाख नॉइज ब्लॉकर

नई दिल्ली. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर 103 किलोमीटर पर दो लाख छह हजार नॉइज ब्लॉकर लगाने का काम पूरा कर लिया हैं। ये ब्लॉकर दो मीटर ऊंचे और एक मीटर चौड़े हैं। इन नॉइज ब्लॉकर का बुनियादी काम ट्रेन की तेज स्पीड से होने वाली आवाज को कम करना है।

RAJASTHAN PATRIKA, Kolkata, 25.12.2024
Page No. 12, Size:(8.84)cms X (6.67)cms.

बुलेट ट्रेन: 103 किमी में दो लाख नॉइज ब्लॉकर

नई दिल्ली. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर 103 किलोमीटर पर दो लाख छह हजार नॉइज ब्लॉकर लगाने का काम पूरा कर लिया है। ये ब्लॉकर दो मीटर ऊंचे और एक मीटर चौड़े हैं।

RAJASTHAN PATRIKA, Chennai, 25.12.2024
Page No. 12, Size:(8.84)cms X (6.67)cms.

बुलेट ट्रेन: 103 किमी में दो लाख नॉइज ब्लॉकर

नई दिल्ली. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर 103 किलोमीटर पर दो लाख छह हजार नॉइज ब्लॉकर लगाने का काम पूरा कर लिया है। ये ब्लॉकर दो मीटर ऊंचे और एक मीटर चौड़े हैं।

RAJASTHAN PATRIKA, Bengaluru, 25.12.2024
Page No. 14, Size:(8.84)cms X (6.67)cms.

बुलेट ट्रेन: 103 किमी में दो लाख नॉइज ब्लॉकर

नई दिल्ली. नई दिल्ली. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर 103 किलोमीटर पर दो लाख छह हजार नॉइज ब्लॉकर लगाने का काम पूरा कर लिया है। ये ब्लॉकर दो मीटर ऊंचे और एक मीटर चौड़े हैं। इन नॉइज ब्लॉकर का बुनियादी काम ट्रेन की तेज स्पीड से होने वाली आवाज को कम करना है।

DAINIK BHASKAR, Himachal, 25.12.2024
Page No. 10, Size:(15.24)cms X (12.67)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : शोर पर काबू के लिए 2.06 लाख नॉइज बैरियर लगाए

नई दिल्ली | ट्रेन की 'छुक-छुक' की आवाज अब कम सुनाई देगी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में इसके लिए 103 किमी लंबे वायाडक्ट के दोनों ओर 2.06 लाख नॉइज बैरियर (शोर अवरोधक) लगाए गए हैं। हर एक किमी के हिस्से पर दोनों तरफ 2 हजार नॉइज बैरियर लगे हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन ने सोमवार को बताया कि ये बैरियर ट्रेन और सिविल स्ट्रक्चर्स से उत्पन्न ध्वनि को कम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये ट्रेन द्वारा उत्पन्न एयरोडायनामिक शोर और पटरियों पर चलने वाले पहियों की ध्वनि को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक बैरियर का वजन करीब 840 किग्रा, ऊंचाई 2 मीटर और चौड़ाई 1 मीटर है। आवासीय व शहरी क्षेत्रों में 3 मीटर ऊंचे नॉइज बैरियर लगाए गए हैं। इससे यात्री बिना बाधा दृश्य का आनंद ले सकेंगे।

अब तक 243 किमी वायाडक्ट निर्माण, 13 नदियों पर पुल बन चुके

गुजरात में ट्रैक निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। प्रोजेक्ट के तहत 243 किमी वायाडक्ट निर्माण पूरा हो चुका है। 13 नदियों पर पुल बन चुके हैं। आनंद, वडोदरा, सूरत और नवसारी जिलों में रिइनफोर्स्ड कंक्रीट ट्रैक बेड निर्माण चल रहा है। 71 ट्रैक किमी आरसी ट्रैक बेड निर्माण पूरा हो चुका है। वायाडक्ट पर रेलों की वेल्डिंग शुरू हो गई है।

DAINIK BHASKAR, Dhanbad, 25.12.2024
Page No. 16, Size:(10.45)cms X (10.86)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : शोर पर काबू के लिए 2.06 लाख नॉइज बैरियर लगाए

नई दिल्ली | ट्रेन की 'छुक-छुक' की आवाज अब कम सुनाई देगी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में इसके लिए 103 किमी लंबे वायाडक्ट के दोनों ओर 2.06 लाख नॉइज बैरियर (शोर अवरोधक) लगाए गए हैं। हर एक किमी के हिस्से पर दोनों तरफ 2 हजार नॉइज बैरियर लगे हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन ने सोमवार को बताया कि ये बैरियर ट्रेन और सिविल स्ट्रक्चर्स से उत्पन्न ध्वनि को कम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये ट्रेन द्वारा उत्पन्न एयरोडायनामिक शोर और पटरियों पर चलने वाले पहियों की ध्वनि को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक बैरियर का वजन करीब 840 किग्रा, ऊंचाई 2 मीटर और चौड़ाई 1 मीटर है। आवासीय व शहरी क्षेत्रों में 3 मीटर ऊंचे नॉइज बैरियर लगाए गए हैं। इससे यात्री बिना बाधा दृश्य का आनंद ले सकेंगे।

इन बैरियर्स को बनाने के लिए 6 फैक्ट्रियां स्थापित की गई हैं। इनमें 3 फैक्ट्रियां अहमदाबाद में हैं, जबकि सूरत, वडोदरा और आनंद में एक-एक फैक्ट्री है।

DAINIK BHASKAR, Chandigarh, 25.12.2024
Page No. 12, Size:(15.24)cms X (12.67)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : शोर पर काबू के लिए 2.06 लाख नॉइज बैरियर लगाए

नई दिल्ली | ट्रेन की 'छुक-छुक' की आवाज अब कम सुनाई देगी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में इसके लिए 103 किमी लंबे वायाडक्ट के दोनों ओर 2.06 लाख नॉइज बैरियर (शोर अवरोधक) लगाए गए हैं। हर एक किमी के हिस्से पर दोनों तरफ 2 हजार नॉइज बैरियर लगे हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन ने सोमवार को बताया कि ये बैरियर ट्रेन और सिविल स्ट्रक्चर्स से उत्पन्न ध्वनि को कम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये ट्रेन द्वारा उत्पन्न एयरोडायनामिक शोर और पटरियों पर चलने वाले पहियों की ध्वनि को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक बैरियर का वजन करीब 840 किग्रा, ऊंचाई 2 मीटर और चौड़ाई 1 मीटर है। आवासीय व शहरी क्षेत्रों में 3 मीटर ऊंचे नॉइज बैरियर लगाए गए हैं। इससे यात्री बिना बाधा दृश्य का आनंद ले सकेंगे।

अब तक 243 किमी वायाडक्ट निर्माण, 13 नदियों पर पुल बन चुके

गुजरात में ट्रैक निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। प्रोजेक्ट के तहत 243 किमी वायाडक्ट निर्माण पूरा हो चुका है। 13 नदियों पर पुल बन चुके हैं। आनंद, वडोदरा, सूरत और नवसारी जिलों में रिइनफोर्स्ड कंक्रीट ट्रैक बेड निर्माण चल रहा है। 71 ट्रैक किमी आरसी ट्रैक बेड निर्माण पूरा हो चुका है। वायाडक्ट पर रेलों की वेल्डिंग शुरू हो गई है।

DAINIK BHASKAR, Amaritsar, 25.12.2024
Page No. 10, Size:(17.52)cms X (15.53)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : शोर पर काबू के लिए 2.06 लाख नॉइज बैरियर लगाए

एजेंसी | नई दिल्ली

ट्रेन की 'छुक-छुक' की आवाज अब कम सुनाई देगी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में इसके लिए 103 किमी लंबे वायाडक्ट के दोनों ओर 2.06 लाख नॉइज बैरियर (शोर अवरोधक) लगाए गए हैं। हर एक किमी के हिस्से पर दोनों तरफ 2 हजार नॉइज बैरियर लगे हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन ने सोमवार को बताया कि ये बैरियर ट्रेन और सिविल स्ट्रक्चर्स से उत्पन्न ध्वनि को कम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये ट्रेन द्वारा उत्पन्न एयरोडायनामिक शोर और पटरियों पर चलने वाले पहियों की ध्वनि को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक बैरियर का वजन करीब 840 किग्रा, ऊंचाई 2 मीटर और चौड़ाई 1 मीटर है। आवासीय व शहरी क्षेत्रों में 3 मीटर ऊंचे नॉइज बैरियर लगाए गए हैं। इससे यात्री बिना बाधा दृश्य का आनंद ले सकेंगे। इन बैरियर्स को बनाने के लिए 6 फैक्ट्रियां स्थापित की गई हैं। इनमें 3 फैक्ट्रियां अहमदाबाद में हैं, जबकि सूरत, वडोदरा और आनंद में एक-एक फैक्ट्री है।

अब तक 243 किमी वायाडक्ट निर्माण, 13 नदियों पर पुल बन चुके

गुजरात में ट्रैक निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। प्रोजेक्ट के तहत 243 किमी वायाडक्ट निर्माण पूरा हो चुका है। 13 नदियों पर पुल बन चुके हैं। आनंद, वडोदरा, सूरत और नवसारी जिलों में रिइनफोर्स्ड कंक्रीट ट्रैक बेड निर्माण चल रहा है। 71 ट्रैक किमी आरसी ट्रैक बेड निर्माण पूरा हो चुका है। वायाडक्ट पर रेलों की वेल्डिंग शुरू हो गई है। महाराष्ट्र में मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन के लिए पहला कंक्रीट बेस-स्लैब 32 मीटर की गहराई पर डाला गया है।

DAINIK BHASKAR, Raipur, 25.12.2024
Page No. 10, Size:(15.08)cms X (13.88)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : शोर पर काबू के लिए 2.06 लाख नॉइज बैरियर लगाए

एजेंसी | नई दिल्ली

ट्रेन की 'छुक-छुक' की आवाज अब कम सुनाई देगी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में इसके लिए 103 किमी लंबे वायाडक्ट के दोनों ओर 2.06 लाख नॉइज बैरियर (शोर अवरोधक) लगाए गए हैं। हर एक किमी के हिस्से पर दोनों तरफ 2 हजार नॉइज बैरियर लगे हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन ने सोमवार को बताया कि ये बैरियर ट्रेन और सिविल स्ट्रक्चर्स से उत्पन्न ध्वनि को कम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये ट्रेन द्वारा उत्पन्न एयरोडायनामिक शोर और पटरियों पर चलने वाले पहियों की ध्वनि को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक बैरियर का वजन करीब 840 किग्रा, ऊंचाई 2 मीटर और चौड़ाई 1 मीटर है। आवासीय व शहरी क्षेत्रों में 3 मीटर ऊंचे नॉइज बैरियर लगाए गए हैं। इससे यात्री बिना बाधा दृश्य का आनंद ले सकेंगे।

अब तक 243 किमी वायाडक्ट निर्माण, 13 नदियों पर पुल बन चुके

गुजरात में ट्रैक निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। प्रोजेक्ट के तहत 243 किमी वायाडक्ट निर्माण पूरा हो चुका है। 13 नदियों पर पुल बन चुके हैं। आनंद, वडोदरा, सूरत और नवसारी जिलों में स्लिनफोर्स्ड कंक्रीट ट्रैक बेड निर्माण चल रहा है। 71 ट्रैक किमी आरसी ट्रैक बेड निर्माण पूरा हो चुका है। वायाडक्ट पर रेलों की वेल्डिंग शुरू हो गई है। महाराष्ट्र में मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन के लिए पहला कंक्रीट बेस-स्लैब 32 मीटर की गहराई पर डाला गया है।

DAINIK BHASKAR, Muzaffarpur, 25.12.2024
Page No. 20, Size:(10.65)cms X (16.39)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

शोर पर काबू के लिए 2.06 लाख नॉइज बैरियर लगाए

एजेंसी | नई दिल्ली

ट्रेन की 'छुक-छुक' की आवाज अब कम सुनाई देगी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में इसके लिए 103 किमी लंबे वायाडक्ट के दोनों ओर 2.06 लाख नॉइज बैरियर (शोर अवरोधक) लगाए गए हैं। हर एक किमी के हिस्से पर दोनों तरफ 2 हजार नॉइज बैरियर लगे हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन ने सोमवार को बताया कि ये बैरियर ट्रेन और सिविल स्ट्रक्चर्स से उत्पन्न ध्वनि को कम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये ट्रेन द्वारा उत्पन्न एयरोडायनामिक शोर और पटरियों पर चलने वाले पहियों की ध्वनि को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक बैरियर का

वजन करीब 840 किग्रा, ऊंचाई 2 मीटर और चौड़ाई 1 मीटर है। आवासीय व शहरी क्षेत्रों में 3 मीटर ऊंचे नॉइज बैरियर लगाए गए हैं। इससे यात्री बिना बाधा दृश्य का आनंद ले सकेंगे। इन बैरियर्स को बनाने के लिए 6 फैक्ट्रियां स्थापित की गई हैं। इनमें 3 फैक्ट्रियां अहमदाबाद में हैं, जबकि सूरत, वडोदरा और आनंद में एक-एक फैक्ट्री है। गुजरात में ट्रैक निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। प्रोजेक्ट के तहत 243 किमी वायाडक्ट निर्माण पूरा हो चुका है।